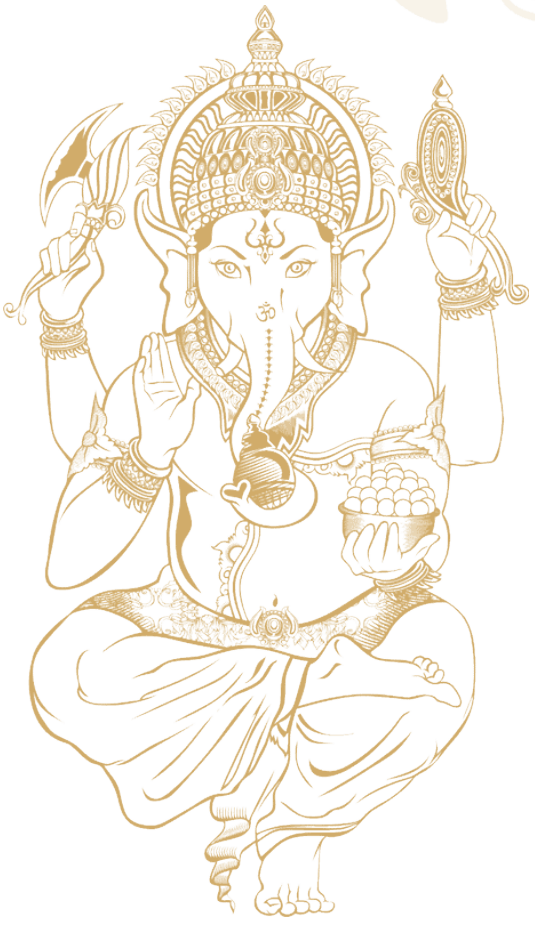

Dibya Samriddhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121176815

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/10/1998	जन्म तिथि	28/01/1998
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:26:00	जन्म समय	15:41:00 घंटे
घटी 57:28:54	जन्म समय(घटी)	20:31:46 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Delhi
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:26	सूर्योदय	07:11:43
18:10:31	सूर्यास्त	17:56:40
23:50:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 15वर्ष 6मा 0दि		03:53:15	कन्या	लग्न	मिथु	16:10:55	चन्द्र 4वर्ष 10मा 28दि	
बुध		17:42:46	कन्या	सूर्य	मक	14:27:13	राहु	
06/04/2014		05:47:17	मीन	चंद्र	मक	16:47:02	27/12/2009	
06/04/2031		04:37:01	सिंह	मंगल	कुंभ	08:33:42	28/12/2027	
बुध	01/09/2016	24:37:01	कन्या	बुध	धनु	28:09:15	राहु	08/09/2012
केतु	30/08/2017	26:49:00	कुंभ व	गुरु	कुंभ	04:31:00	गुरु	02/02/2015
शुक्र	30/06/2020	11:11:21	कन्या	शुक्र व	धनु	26:06:10	शनि	09/12/2017
सूर्य	06/05/2021	07:46:33	मेष व	शनि	मीन	21:20:28	बुध	27/06/2020
चन्द्र	05/10/2022	07:03:42	सिंह व	राहु व	सिंह	16:57:41	केतु	16/07/2021
मंगल	03/10/2023	07:03:42	कुंभ व	केतु व	कुंभ	16:57:41	शुक्र	15/07/2024
राहु	21/04/2026	15:03:10	मक व	हर्ष	मक	14:51:04	सूर्य	09/06/2025
गुरु	27/07/2028	05:33:33	मक व	नेप	मक	06:08:41	चन्द्र	09/12/2026
शनि	06/04/2031	12:07:47	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:44:06	मंगल	28/12/2027

लग्न-चलित

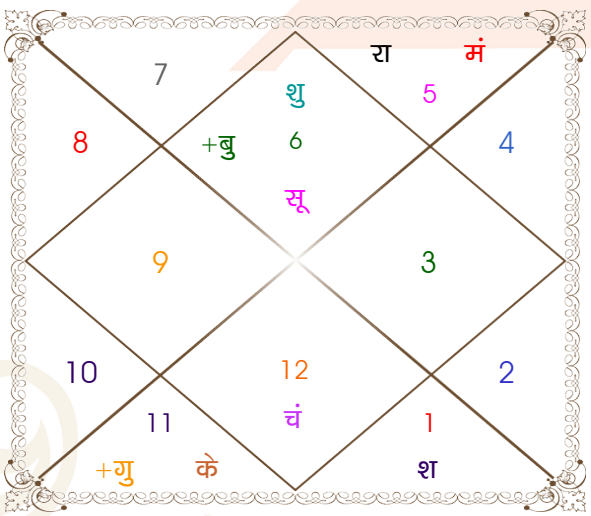

लग्न-चलित

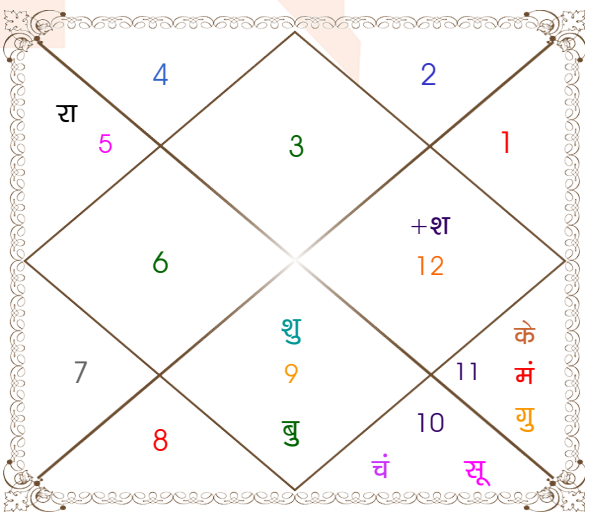

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Dibya का वर्ग सर्प है तथा Samriddhi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dibya और Samriddhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Dibya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Dibya कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Samriddhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Samriddhi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Dibya तथा Samriddhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।